231
11/9/12

खण्ड - 9 संख्या - 13, 15, 16, 17

सत्यमेव जयते

नवम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

नवम् सत्र

(भाग-2, कार्यवाही प्रश्नोत्तर-रहित)

मंगलवार, तिथि : 12 जुलाई, 1988 ई०

बृहस्पतिवार, तिथि : 14 जुलाई, 1988 ई०

शुक्रवार, तिथि : 15 जुलाई, 1988 ई०

सोमवार, तिथि : 18 जुलाई, 1988 ई०

आवागमन अवरूद्ध है। आम लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाई है। ग्राम अभियंत्रण विभाग हाथ पर हाथ रखकर बैठा है। अत: मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि उक्त पुल की मरम्मत शीघ्र कर आवागमन चालू किया जाय।

(ढ) दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई।

श्रीमती शशिरानी मिश्र : अध्यक्ष महोदय, रोहतास जिलान्तर्गत नासरीगंज प्रखण्ड में मौना लाइन नहर के पूरी तरह ध्वस्त हो जाने से आस-पास के सभी इलाके में अनावश्यक पानी की बाढ़ आ गयी है। मरम्मति के लिये मिट्टी की जगह नहर का बालू का उपयोग करने के कारण ही यह स्थिति उत्पन्न हुई है। अत: मैं मरम्मति में हुई धांधली एवं इसके लिये दोषी पदाधिकारी पर विभागीय कार्रवाई की मांग करती हूं।

(ण) भूधारियों से जमीन लेकर विद्यालय का निर्माण।

श्री बीरबल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पश्चिम चम्पारण अन्तर्गत प्रशासन की ओर से तीन सौ परिवारों को उजाड़ने की नोटिस की गयी है जो तीस से चालीस वर्षों से बसे हुए हैं। नवोदय विद्यालय के लिये बगल में ही भूधारियों की ज़मीन है उसे सरकार लेकर विद्यालय बनावें। यदि नवोदय विद्यालय बनाना ही है तो बड़े-बड़े भूमि पतियों की जमीन ली जाय, इन गरीबों को नहीं उजाड़ा जाय।

(त) मतदाता सूची में गड़बड़ी की जाँच।

श्री अयोध्या प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय के 107 विधान-सभा क्षेत्र की प्रकाशित मतदाता सूची 1981 की जनगणना के आधार पर आबादी से ज्यादा सिर्फ सात वर्षों में मतदाताओं की संख्या लगभग दुगुनी हो गयी है जो निम्नलिखित उदाहरण से स्पष्ट होगा :

थाना नं.-290, शेरपुर-आबादी 1492, मतदाता 1807

थाना नम्बर 281-किरतपुर, आबादी 1675, मतदाता 1761।

इसी तरह अन्य गांवों में अनियमितताएं हुई हैं। सरकार इसकी जांच करे।

(थ) पदाधिकारियों का पदस्थापन।

श्री अब्दुल सुबहान : अध्यक्ष महोदय, पूर्णिया जिलान्तर्गत वायसी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को 6 माह पूर्व ही वायसी के अचंलाधिकारी, अमौर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को कुल चार पदों का पदभार सौंपा गया है। इसके कारण विकास की गति धीमी पड़ गयी है। अभी बाढ़ आ चुकी है, ऐसी हालत में एक पदाधिकारी दो प्रखंडों के राहत कार्य एवं विकास कार्य को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं हो रहा है। अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि उक्त दोनों प्रखंडों के रिक्त पदों पर पदाधिकारियों को शीघ्र पदस्थापित की जाय।

(द) पुल बनाने वाले पदाधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई।

श्री खलील अंसारी : अध्यक्ष महोदय, जिला सितामढ़ी के रीगा प्रखंड के अन्तर्गत ग्राम-गुलरिया के निकट गत एक वर्ष से बन रहे पुल के अधूरा रहने और निर्माण कर्त्ता की लापरवाही के कारण गांव के लोग बाढ़ के पानी से घिर गये हैं। लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उक्त गांव के लोगों की राहत हेतु एक नाव की व्यवस्था कर पुल बनाने वाला पदाधिकारी के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाय।

(ध) बाढ़ से प्रभावित इलाके में बचाव एवं राहत कार्य चलाना।

श्री विनायक प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मुखिया ग्राम